भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 679

उत्तर देने की तारीख 22 जुलाई, 2021

31 आषाढ़, 1943 (शक)

राष्ट्रीय सेवा योजना

679. श्री बी.वाई. राघवेन्द्र :
श्री विजय कुमार दुबे :
श्री अनुराग शर्मा :
श्री रेबती त्रिपुरा :

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय सेवा योजनाएं देश के युवाओं को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा एन.एस.एस. छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा कौन-से कदम उठाए गए हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा और कर्नाटक में वर्तमान में एन.एस.एस. के अंतर्गत नामांकित छात्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार का एन.एस.एस के अंतर्गत छात्रों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष तथा चालू वर्ष के दौरान एन.एस.एस. के तहत आवंटित/ व्ययित राशि कितनी है; और

(ड.) सभी शैक्षिक संस्थाओं द्वारा अपनी गतिविधियों/ पाठ्यचर्या में एन.एस.एस. को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सरकार द्वारा अन्य कौन-से कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) जी, हां । राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) देश के युवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शुरूआत स्वैच्छिक समुदाय सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य से 1969 में की गई थी । राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का लक्ष्य 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' है । राष्ट्रीय सेवा योजना की

विचारधारा महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित है । राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य 'स्वयं से पहले आप' सर्वथा उपयुक्त है । राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक स्वयं से अधिक समुदाय को महत्व देता है । वर्तमान में एनएसएस में 479 विश्वविद्यालयों, 51+2 काउंसिलों में 17676 कालेजों और 12087 विद्यालयों में पंजीकृत लगभग 40 लाख स्वयंसेवक हैं । एनएसएस की उपलब्धियों के अंतर्गत छात्र स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना शामिल है । एनएसएस ने जन साक्षरता, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और पुनर्वास आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

समुदाय सेवा के प्रति एनएसएस स्वयंसेवकों के उल्लेखनीय योगदान को मान्यता प्रदान करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए यह मंत्रालय देशभर में एनएसएस को और अधिक बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित तीन श्रेणियों में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान करता है :

क्र.सं.	**श्रेणी**	**पुरस्कारों की संख्या**	**पुरस्कार का ब्यौरा**
1	विश्वविद्यालय / +2 कांउसिल	2	**प्रथम पुरस्कार** : विश्वविद्यालय /+2 कांउसिल को 5,00,000 /- रु. और एक ट्रॉफी (एनएसएस कार्यक्रम विकास के लिए) । कार्यक्रम समन्वयक को एक प्रमाणपत्र और एक रजत पदक । **द्वितीय पुरस्कार** : विश्वविद्यालय /+2 कांउसिल को 3,00,000/- रु. और एक ट्रॉफी (एनएसएस कार्यक्रम विकास के लिए)। कार्यक्रम समन्वयक को एक प्रमाणपत्र और एक रजत पदक ।
2	एनएसएस इकाईयां और उनके कार्यक्रम अधिकारी	10+10	प्रत्येक एनएसएस इकाई को 2,00,000 /- रु. और एक ट्रॉफी (एनएसएस कार्यक्रम विकास के लिए) । प्रत्येक कार्यक्रम अधिकारी को 1,50,000 /- रु. सहित प्रमाण पत्र और एक रजत पदक
3	एनएसएस स्वयंसेवक	30	प्रत्येक स्वयंसेवक को 1,00,000 /- रु. सहित एक प्रमाण पत्र और एक रजत पदक ।

(ख) वर्तमान में उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा और कनार्टक राज्य में एनएसएस के अंतर्गत नामांकित छात्रों की कुल संख्या, जिसके लिए संबंधित राज्यों को एनएसएस अनुदान दिए जा रहे हैं, निम्नानुसार है :

क्र. सं.	राज्य का नाम	नामांकित एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या
1.	उत्तर प्रदेश	307600
2.	त्रिपुरा	32600
3.	कर्नाटक	278200

(ग) विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों से उनके संस्थानों में अतिरिक्त एनएसएस इकाईयां बनाने की मांग काफी समय से लंबित है जिससे एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या में वृद्धि होगी । बजट की कमी के कारण विभाग के लिए अतिरिक्त एनएसएस इकाईयों के सृजन के लिए सहमत होना संभव नहीं हो पाया है । वर्तमान में, विभाग ने एनएसएस के तहत 36 लाख स्वयंसेवकों को नामांकित किया है जिसके लिए एनएसएस कार्यक्रमों के संचालन हेतु सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को एनएसएस अनुदान जारी किया जा रहा है । इसके अतिरिक्त, एनएसएस के तहत सामुदायिक सेवा के लिए देश के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के साथ 4000 स्व-वित्तपोषित इकाईयां (1 इकाई = 100 स्वयंसेवक) काम कर रही हैं ।

(घ) विगत तीन वर्षों और चालू वर्षों में से प्रत्येक के दौरान एनएसएस कार्यकलापों के आयोजन के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को जारी की गई निधियां निम्नानुसार है :

क्र.सं.	राज्य का नाम	2018-19 में जारी निधि (रूपये)	2019-20 में जारी निधि (रूपये)	2020-21 में जारी की गई निधि (रूपये)
1.	उत्तर प्रदेश	651956	109582500	9513698
2.	त्रिपुरा	13936500	13936500	13936500
3.	कर्नाटक	76980476	99034169	00

चालू वर्ष के दौरान, इन राज्यों को निधियां जारी करने का प्रस्ताव विचाराधीन है और इसे जल्द ही जारी किया जाएगा ।

(ड.) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने क्रेडिट आधारित वैकल्पिक विषय के रूप में एनएसएस का खाका तैयार करने के लिए सभी हितधारकों अर्थात राज्य एनएसएस अधिकारियों, कार्यक्रम समन्वयकों, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के साथ कार्यशाला का

आयोजन किया । मंत्रालय के प्रस्ताव के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को सभी शैक्षिक संस्थानों में एनएसएस को वैकल्पिक विषय के तौर पर शुरू करने की एडवाइजरी जारी की ।

****